नवभारत टाइम्स

वर्ष ४४ □ संख्या ६९ □ चौदह पृष्ठ □ मू. १.१० | फाल्गुन २२ शक १९११, चैत्र कृष्णा २ विक्रम २०४७ | महानगर | नई दिल्ली, मंगलवार, १३ मार्च, १९९०

संसद का बजट अधिवेशन सोमवार को शुरू हुआ। राष्ट्रपति श्री वेंकटरामन भाषण देने के लिए प्रधानमंत्री श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह तथा संसदीय मामलों के मंत्री श्री पी. उपेन्द्र के साथ संसद के केन्द्रीय हॉल की ओर जाते हुए। (छाया : नभाटा)

कश्मीर में बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति का अभिभाषण

—विशेष संवाददाता—

नई दिल्ली, १२ मार्च। राष्ट्रपति रामस्वामी वेंकटरामन ने आज कहा कि पाकिस्तान से हमारे रिश्ते में तनाव आ गया है, क्योंकि वह जम्मू-कश्मीर तथा पंजाब में आतंकवादियों को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि आंतरिक मामले में इस तरह के हस्तक्षेप को हम सहन नहीं करेंगे।

संसद के दोनों सदनों के सामने राष्ट्रपति रामस्वामी वेंकटरामन भाषण दे रहे थे। आज संसद का बजट अधिवेशन राष्ट्रपति के भाषण से प्रारंभ हो गया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार ने पाकिस्तान पर जोर डाला है कि वह शिमला समझौते का पालन करे। उससे शांति कायम हो सकेगी। अपने भाषण के अंतिम चरण में राष्ट्रपति ने पाकिस्तान का साफ जिक्र किया। पड़ोसी देशों की कड़ी में उसका जिक्र आया।

राष्ट्रपति ने जम्मू-कश्मीर की बिगड़ी हालत का जिक्र करते हुए भी पाकिस्तान की ओर इशारा किया। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। उन्होंने यह दोहराकर ऐलान किया कि भारत सरकार आंतरिक मामलों में दूसरों का कोई हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगी। जम्मू-कश्मीर की हालत को सरकार ने गंभीर बनी हुई माना है, जो कई वर्षों से बिगड़ी हुई थी। राष्ट्रपति की पाकिस्तान को चेतावनी इसी संदर्भ में है। उन्होंने पाक की बगैर जिक्र किए कहा कि बाहरी ताकतों ने आतंकवाद को प्रोत्साहन देने, इस मामले को अंतरराष्ट्रीय समस्या बनाने और सीमा पार सुनियोजित ढंग से घुसपैठ कराने का प्रयास किया है। 'मेरी सरकार ने इन ताकतों के खिलाफ मजबूती से काम लिया है।'

राष्ट्रपति के भाषण में जम्मू-कश्मीर मसले को सबसे पहले उठाया गया है। उसमें

● पृष्ठ ६ पर राष्ट्रपति के अभिभाषण का मूल पाठ

● पृष्ठ ७ : अभिभाषण के दौरान तीन बार टोकाटाकी

उम्मीद प्रकट की गई है कि पाकिस्तान में ऐसी समझदारी बनेगी, जिससे शांति बनी रहेगी और हमें इस देश के साथ संबंधों को सामान्य बनाने में सहायता मिलेगी।

राष्ट्रीय मोर्चे के वादे को पूरा करने के लिए राष्ट्रपति ने घोषणा की कि सरकार काम के अधिकार को मूलाधिकार में शामिल कराने के लिए संविधान में संशोधन का एक विधेयक पेश करेगी। पंजाब में सामान्य वातावरण बनाने के लिए सरकार ने सभी के सहयोग पर बल दिया है। उसका प्रयास होगा कि राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया फिर से बहाल हो। रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद का हल ढूंढने के लिए बनी समिति की राष्ट्रपति ने जानकारी देते हुए कहा कि इस संवेदनशील मामले का हल बातचीत से और आम राय से निकाला जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने जब से सत्ता संभाली है, तब से साम्प्रदायिक स्थिति में प्रत्यक्षतः सुधार हुआ है।

राष्ट्रपति ने अल्पसंख्यकों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी सुरक्षा के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। सरकार १५ सूत्री कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर पूरी तरह नजर रखे हुए है। ठट्ठे के विकास के लिए एक पैनल बनाया गया है। उन्होंने कहा कि हमें अपने राष्ट्रवाद के धर्मनिरपेक्ष आधार पर गर्व है। सरकार धर्मनिरपेक्षता को मजबूत बनाने के उपाय कर रही है। राष्ट्रीय एकता परिषद बनाई गई है। उसकी बैठक जल्दी बुलाई जाएगी। केंद्र राज्य के बीच मधुर संबंधों को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने एक अंतरराष्ट्रीय परिषद बनाने का फैसला किया है। सरकार ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय वातावरण के अनुकूल दीर्घकालीन नीतियों को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद बनाने का निर्णय किया है। राष्ट्रपति ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार चुनाव प्रणाली में सुधार करेगी, जिससे चुनावों को पैसे और डंडे के प्रभाव से मुक्त रखा जा सके। राष्ट्रपति ने कहा कि मैंने संसद को डाकघर (संशोधन) विधेयक पर पुनः विचार के लिए कहा है। इस विधेयक से लोग नागरिक जीवन की गोपनीयता को लेकर चिन्तित थे।

राष्ट्रपति ने अर्थव्यवस्था के बारे में विस्तार से अपने भाषण में जिक्र किया। पिछला साल (१९८९-९०) कठिनाई का रहा। औद्योगिक क्षेत्र में मंदी रही। व्यापक आर्थिक असंतुलन रहा। नई सरकार को १३७९० करोड़ रुपए के बजट घाटे की विरासत मिली। कीमतों पर दबाव बना रहा, जबकि फसलें अच्छी हुईं। सरकार ने जरूरी वस्तुओं की कीमतों को काबू करने का प्रयास किया है।

सरकार ने अर्थव्यवस्था को सुधारने को ऊंची प्राथमिकता दी है। केंद्रीय पूल में खाद्यान्नों का भंडार बढ़ाया गया है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार कीमतों को कम करने का प्रयास करेगी। आर्थिक प्रबंध में मुद्रास्फीति के नियंत्रण को सरकार पहली वरीयता देगी।

लिथुआनिया स्वतंत्र घोषित

मास्को, १२ मार्च (प्रेट्र)। सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव, मिखाइल गोर्बाचोफ ने इस मांग को नामंजूर कर दिया है कि किसी गणतंत्र की कम्युनिस्ट पार्टी अपने सदस्यों में जनमत संग्रह कराकर केन्द्रीय पार्टी से अलग हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि लिथुआनिया ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा कर दी है। इस बीच, गोर्बाचोफ के निकट सहयोगी ने आज कहा कि लिथुआनिया की स्थिति से निपटने के लिए सैनिक बल का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।

रेडियो मास्को ने सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी की केन्द्रीय समिति के एक सहायक सचिव गेन्नी सलनाजरोव के हवाले से कहा कि लिथुआनिया मसले का राजनीतिक हल ढूंढा जाना चाहिए। सैन्य प्रयोग से इसका समाधान नहीं होगा। वैसे, सलनाजरोव ने कहा कि लिथुआनिया ने 'जल्दबाजी' में यह फैसला लिया है।

लिथुआनिया की संसद ने कल दिन की बहस के बाद गैर कम्युनिस्ट नेता विताउतस लैंडसबर्गिस को लिथुआनिया का नया राष्ट्रपति चुना। साथ ही उसने अपने नाम के आगे से सोवियत समाजवादी शब्द हटाकर लिथुआनिया गणराज्य रख दिया है।

लिथुआनिया के इस कदम से सोवियत राष्ट्रपति गोर्बाचोफ को सारी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

इस बीच अमेरिका ने लिथुआनिया को गणराज्य बनाने का समर्थन किया है।

इंजन फेल होने से विमान गिरा था

नई दिल्ली, १२ मार्च (यू.नि. प्रेट्र)। इंडियन एयरलाइंस के एयरबस ए-३२० के इंजन खराब हो जाने से १४ फरवरी को, बेंगलूर में भयानक दुर्घटना हुई थी, जिसमें ९३ लोग मारे गए थे और ५३ अन्य घायल हो गए थे।

जानकार सूत्रों ने आज यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि एयरबस जब उतर रहा था तो उसके इंजन में कुछ खराबी आ गई। विमान जब १५० फीट की ऊंचाई पर आ गया तो कम्प्यूटर ने 'खतरे' का संकेत दिया और इंजन को विमान ऊपर ले जाने का निर्देश दिया। लेकिन इंजन ऐसा नहीं कर सका। पायलट ने भी अपनी तरफ से पूरी कोशिश की, लेकिन नाकाम रहा।

उल्लेखनीय है कि इस एयरबस के 'डिजिटल फ्लाइट डाटा रेकार्डर' (डी.एफ.डी.आर.) और 'कॉकपिट वॉयस रेकार्डर' (सी.वी.आर.) दोनों ही मलबे में से सही सलामत बरामद हो गए थे। दोनों यंत्रों के अध्ययन से यह पता लगा है कि कम्प्यूटर और पायलट के निर्देश के बावजूद एयरबस नीचे ही आता रहा और सात सेकेंड बाद जमीन से टकरा गया।

विशेषज्ञों के अनुसार, एयरबस सात सेकेंड के अन्दर ऊंचाई पर जाने की ताकत ही नहीं जुटा सका जबकि इसकी निर्माता कम्पनी हमेशा ऐसा दावा करती रही कि विमान का इंजन एकदम दुरुस्त है।

सूत्रों के अनुसार विमान जब नीचे उतर रहा था और ३०० फीट की ऊंचाई पर पहुंच गया तो पायलटों ने महसूस किया कि विमान जरूरत से ज्यादा नीचे चल आ रहा है।

जब विमान १५० फीट पर उतर आया तो एक पायलट ने कहा अपने साथी पायलट से कहा : 'बॉस, यह (विमान) तो और भी नीचे जा रहा है।' कम्प्यूटर ने भी खतरे का संकेत दिया। तब पायलट ने अपने तई कोशिश की, लेकिन इंजन विमान को ऊपर नहीं ले जा सका। जैसे ही जमीन से धमाके से टकराया एक इंजन अलग हो गया और सी.वी.आर. तथा डी.एफ.डी.आर. दोनों ने काम करना बंद कर दिया।

(शेष पृष्ठ ५ पर)

दरबारा सिंह का पार्थिव शरीर अग्नि को समर्पित

नई दिल्ली, १२ मार्च (प्रेट्र)। वयोवृद्ध कांग्रेस नेता और पंजाब के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री दरबारा सिंह का पार्थिव शरीर आज यहां निगम बोध घाट पर पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ अग्नि को समर्पित कर दिया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी, पार्टी के महासचिव वी.एन. गाडगिल और भूतपूर्व लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ सहित अनेक नेता इस अवसर पर उपस्थित थे। जिन पूर्व केन्द्रीय मंत्रियों ने इस स्वतंत्रता

सेनानी को अंतिम विदाई दी, उनमें बूटा सिंह, गुलाम नबी आजाद, मार्गरेट अलवा और शीला दीक्षित शामिल थीं।

(शेष पृष्ठ पांच पर)

जगमोहन की हत्या की साजिश

जम्मू, १२ मार्च (यू.नि.)। आतंकवादियों ने जम्मू एवं कश्मीर के राज्यपाल जगमोहन की हत्या की साजिश की थी, लेकिन सुरक्षा बलों ने घाटी से कुछ आतंकवादियों को गिरफ्तार कर इसे विफल कर दिया।

खबर है कि पाक अधिकृत कश्मीर में कुछ उग्रवादी संगठनों ने जगमोहन की हत्या की योजना बनाई थी। कुछ आतंकवादियों की गिरफ्तारी के बाद उनसे बरामद पत्रों से इसका पर्याप्त हुआ है। आतंकवादी संगठनों का मानना है कि 'आजाद कश्मीर' का लक्ष्य प्राप्त करने में जगमोहन बहुत बड़े रोड़े हैं।

कश्मीर घाटी के विभिन्न स्थानों से सुरक्षा बलों ने पिछले एक सप्ताह में करीब १२० आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें सात कट्टर अलगाववादी हैं।

आतंकवादियों से बरामद पत्रों को 'जमात-ए-इस्लामी' और 'जम्मू एंड कश्मीर लिबरेशन फ्रंट' के कुछ मुस्लिम नेताओं ने लिखा था। इसमें उन्होंने साफ निर्देश दिया था कि जगमोहन की हत्या कर दी जाए। सूत्रों ने इस साजिश का ब्यौरा देने से मनाकर दिया।

समझा जाता है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुरक्षा बलों से पूरी तरह सतर्क रहने और राज्यपाल जगमोहन की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी करने का निर्देश दिया है। श्रीनगर में आज सुबह एक कट्टर उग्रवादी की मृत्यु हो जाने के बाद अधिकारियों ने शहर में आज कर्फ्यू में नौ घंटे की ढील की अवधि को बीच में ही खत्म रखे दोबारा कर्फ्यू लगा दिया। तड़ा कबल में सुरक्षा बलों के साथ हुई गोलीबारी में फवाज अहमद नामक उग्रवादी बुरी तरह घायल हो गया था। आज सुबह अस्पताल अपरेशन के बावजूद उसने दम तोड़ दिया।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि अप्रिय स्थिति पैदा होने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने कर्फ्यू में ढील समाप्त कर दोबारा कर्फ्यू लागू कर दिया। बताया जाता है कि विघटनकारी तत्व उक्त उग्रवादी की मृत्यु पर शोक व्यक्त करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करने की योजना बना रहे थे।

पंजाब में आठ की हत्या, यात्री अपहृत

चंडीगढ़, १२ मार्च (प्रेट्र, यू.नि.)। पंजाब में कल रात से आठ व्यक्ति मारे गए तीन बस यात्रियों सहित चार व्यक्तियों का अपहरण किया गया, जालंधर अमृतसर सड़क की मुख्य लाइन पर बम विस्फोट से रेल पटरी को नुकसान पहुंचा तथा एक सरकारी बस को आग लगा दी गई।

पुलिस के अनुसार इस दौरान छह आतंकवादियों को कुछ हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया है। इनमें दो खूंखार आतंकवादी शामिल हैं। ये गिरफ्तार अमृतसर, फरीदकोट और फिरोजपुर जिलों में की गईं। दो खूंखार आतंकवादी सलविंदर सिंह और बिलवाग सिंह फजिल्का क्षेत्र में गिरफ्तार किए गए, उनके पास से दो ए.के. राइफलें, छह मैगजीन और ७७७ कारतूस बरामद किए गए हैं।

अबोहर में शनिवार की पुलिस फायरिंग में दो व्यक्तियों के मारे जाने के बाद से अनिश्चितकालीन कर्फ्यू में आज दोपहर सवा बारह बजे से डेढ़ घंटे की ढील दी गई।

जालंधर-अमृतसर के बीच ग्राम देवी दासपुरा रेलवे स्टेशन के पास आतंकवादियों द्वारा किए गए एक शक्तिशाली बम विस्फोट से रेल पटरी का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। पटरी की चार स्लीपर तथा पटरी का कुछ हिस्सा उलट गया। इस विस्फोट से सामान्य यातायात प्रभावित हुआ है।

फिरोजपुर जिले के ग्राम पीर मोहम्मद के पास आतंकवादियों ने पेपसू रोडवेज की एक बस को रोककर उसमें बैठे एक समुदाय के तीन यात्रियों का अपहरण कर लिया। इसी जिले की एक अन्य घटना में आतंकवादियों ने चुरो खां ग्राम के ईंट भट्ठे के मालिक के एक पुत्र का अपहरण कर लिया। चारों अपहृत व्यक्तियों का अभी तक पता नहीं चला है। फिरोजपुर जिले के चुरो खां गांव में ही आतंकवादियों ने एक मां और बेटे की हत्या कर दी। बताया जाता है आतंकवादियों का गिरोह संतनाम सिंह के घर घुसा और अंधाधुंध गोलियां चलाईं। इससे संतनाम सिंह की पत्नी और उसका बेटा मारा गया। गोलीबारी में उसकी बहू घायल हो गई।

इसी तरह संगरूर जिले के दस्का गांव में आतंकवादियों ने एक दुकानदार की हत्या कर दी। मृतक का नाम निरंजन सिंह बताया गया है।

अमृतसर जिले के रजोके गांव में आतंकवादियों ने आत्मा सिंह उर्फ कल्लू पर गोलियां चलाईं।

महम में सेना की गश्त जारी

नई दिल्ली, १२ मार्च (प्रेट्र)। हरियाणा के महम विधानसभा क्षेत्र में स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है।

चुनाव आयोग सूत्रों के अनुसार यह क्षेत्र २८ फरवरी को पुनर्मतदान के दौरान हुई अभूतपूर्व हिंसा के प्रभाव से अब तक उभर नहीं सका है। सूत्रों के अनुसार यहां सेना लगातार गश्त लगा रही है।

इस बीच उपचुनाव आयुक्त आर.पी. भल्ला ने संवाददाताओं को बताया कि हरियाणा सरकार से महम में नया चुनाव कराने संबंधी कार्यक्रम बुधवार को या गुरुवार तक मिलने की उम्मीद है। चुनाव आयोग यहां जल्द से जल्द उपचुनाव कराना चाहता है।

श्री भल्ला ने बताया कि राज्य के मुख्य सचिव महम उपचुनाव के दौरान दोषी समझे गए अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच का ब्यौरा भी चुनाव आयोग को भेजेंगे।

फर्नांडीज को कश्मीर मामले का मंत्री बनाया

नई दिल्ली, १२ मार्च (प्रेट्र)। प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने आज यहां घोषणा की कि रेल मंत्री जार्ज फर्नांडीज कश्मीर के मामले के प्रभारी होंगे, जिनकी सहायता के लिए एक सलाहकार समिति होगी। इस समिति में उन सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे जिन्होंने कश्मीर समस्या पर बहुदलीय बैठक में भाग लिया था।

श्री सिंह ने यह घोषणा राष्ट्रीय मोर्चे की संसदीय पार्टी की बैठक में की। बैठक के बाद मोर्चे के प्रवक्ता और केन्द्रीय विधि मंत्री दिनेश गोस्वामी ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री सिंह ने बैठक को कश्मीर की स्थिति से अवगत कराते हुए कहा कि कश्मीर भारत का अविभाज्य अंग है और वहां राष्ट्रीय ताकतों को मजबूत किया जाएगा।

प्रवक्ता के अनुसार प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि कश्मीर की स्थिति को सुधारने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

जार्ज फर्नांडीज : कश्मीर मामलों के नव नियुक्त केन्द्रीय मंत्री जार्ज फर्नांडीज ने कश्मीर की स्थिति को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि घाटी में राजनीतिक प्रक्रिया बहाल करने के लिए राजनीतिक पहल की जरूरत है।

श्री फर्नांडीज कश्मीर मामलों के लिए गठित सलाहकार समिति की अनौपचारिक बैठक के बाद संसद भवन स्थित अपने कक्ष में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। समिति की पहली औपचारिक बैठक कल सवेरे होगी।

छह सदस्यीय सलाहकार समिति के सदस्य हैं : प्यारे लाल हांडू (नेशनल कांफ्रेंस), केदारनाथ साहनी (भारतीय जनता पार्टी), सुरेन्द्र मोहन (राष्ट्रीय मोर्चा),

● देखें अग्रलेख : जम्मू-कश्मीर मामलों का मंत्री

सेफुद्दीन चौधरी (मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी), एम. फारूक (भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी), गुलाम रसूलकार (कांग्रेस)। बैठक में सुरेन्द्र मोहन को छोड़कर सभी सदस्य मौजूद थे। श्री फर्नांडीज ने कहा कि कश्मीर की समस्या राजनीतिक है और इसका समाधान भी राजनीतिक होना चाहिए। उन्होंने सवालों के जवाब में कहा कि घाटी में ऐसे लोगों की संख्या काफी है जो देश की एकता एवं अखंडता के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

श्री फर्नांडीज ने कहा कश्मीर की स्थिति सुधारने के लिए यह आवश्यक है कि हर कोई इस कार्य में सहायता का हाथ बढ़ाए।

हर सिख पर आतंकवादी का संदेह नहीं : वि.प्र.

नई दिल्ली, १२ मार्च (प्रेट्र)। प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने आज यहां कहा कि उनकी सरकार ने पंजाब में शांति स्थापित करने की नीति अपनाई है, जिसके फलस्वरूप हर सिख के बारे में आतंकवादी होने के संदेह को समाप्त करने में कामयाबी मिली है। उन्होंने स्वीकार किया कि आतंकवादियों के हिंसात्मक प्रयासों में इजाफा हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री सिंह बजट सत्र के आरम्भ में राष्ट्रीय मोर्चे की संसदीय पार्टी की बैठक में बोल रहे थे। बैठक के बाद मोर्चे के प्रवक्ता दिनेश गोस्वामी ने संवाददाताओं को बताया कि बैठक को उप प्रधानमंत्री देवीलाल और वित्त मंत्री प्रो. मधु दण्डवते ने भी संबोधित किया।

श्री गोस्वामी के अनुसार प्रधानमंत्री श्री सिंह ने अन्य जिन मसलों का उल्लेख किया, उनमें राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद, कश्मीर, राजनीतिक मसलों पर आम सहमति का तरीका और राज्य विधानसभाओं के चुनाव परिणाम शामिल हैं।

प्रधानमंत्री श्री सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में गुणात्मक परिवर्तन आया है क्योंकि अब राष्ट्रीय मसलों पर किए जाने वाले फैसले संसद के प्रचंड बहुमत के बल पर नहीं अपितु राष्ट्रीय आम सहमति के आधार पर होते हैं। इस सिलसिले में श्री सिंह ने संविधान के ५२वें संशोधन को निरस्त करने की कार्रवाई का उल्लेख किया।

रामजन्म भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के सिलसिले में प्रधानमंत्री श्री सिंह ने कहा कि सरकार ने इस विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए टकराव की स्थिति को टाला। मोर्चे ने जब से सत्ता संभाली है तब से साम्प्रदायिक स्थिति में प्रत्यक्ष सुधार हुआ है। यह सरकार की सकारात्मक उपलब्धि है।

श्री सिंह ने कहा कि हाल में विधान सभाओं के लिए जो चुनाव हुए हैं उनसे गत लोकसभा चुनावों में परिवर्तन के पक्ष में जनता के निर्णय की सामान्यतः पुनः पुष्टि हुई है।

सिंध में फिर दंगे, दस मारे गए

इस्लामाबाद, १२ मार्च (प्रेट्र)। पाकिस्तान के सिंध प्रान्त के विभिन्न हिस्सों में जातीय दंगों में पिछले २४ घंटे के दौरान कम से कम १० व्यक्ति मारे गए।

यहां प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार हैदराबाद शहर में दो जातीय गुटों के बीच संघर्ष में छह व्यक्ति मारे गए तथा १३ अन्य घायल हो गए। एक सिंधी युवक की हत्या के बाद ये दंगे भड़के।

सादिकाबाद जा रही एक प्राइवेट बस में तोबा टेक सिंह क्षेत्र से गुजरते समय विस्फोट हो जाने से एक यात्री मारा गया।

नगर का मौसम

मंगलवार को आसमान साफ रहेगा। दिन में तेज हवाएं चलेंगी। रात और दिन के तापमान में खास फर्क नहीं पड़ेगा।

सोमवार को अधिकतम तापमान २७.६ डिग्री से. (-६) और न्यूनतम तापमान १६.६ डिग्री से. (-१) रहा।

मंगलवार को सूर्यास्त ६-२८ बजे और बुधवार को सूर्योदय ६-१६ बजे होगा।

अजीत रिपोर्ट में चौटाला के इस्तीफे की सलाह ?

—रमेश गौतम—

चंडीगढ़, १२ मार्च। 'महम कांड को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला को इस्तीफा दे देना चाहिए'। केन्द्रीय उद्योगमंत्री और जनता दल के महासचिव श्री अजीत सिंह के हवाले से प्रकाशित इस आशय के समाचारों की आज अजीत सिंह ने न पुष्टि की और न खंडन। सवालों की झड़ी के बीच उन्होंने कहा कि महम का दौरा करने के बाद वह अपनी रपट दल के अध्यक्ष श्री वि.प्र. सिंह को दे चुके हैं।

श्री अजीत सिंह आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उनसे घिरा फिरा कर यही सवाल पूछा गया कि वे महम के बारे में क्या सोचते हैं। उन्होंने बार-बार यही कहा कि यह बहुत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हादसा है। उनसे यह भी पूछा गया कि क्या दल का आलाकमान श्री चौटाला से इस्तीफा मांग सकता है तो उन्होंने कहा कि रपट पर विचार करने के बाद ही कुछ कहना होगा।

आज के अजीत सिंह और चार वर्ष पूर्व के अजीत सिंह में भारी अंतर था। कठिन सवालों का जवाब देते समय वे उलझे नहीं, बल्कि साफ बच निकले। महम पर प्रेस की भूमिका पर जब उनकी टिप्पणी चाही गई तो उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परिपेक्ष्य में प्रेस ने बहुत ही शानदार भूमिका निभाई है।

श्री अजीत सिंह से यह पूछा गया कि क्या वे श्री चौटाला को हरियाणा जनता विधायक दल का निर्वाचित नेता मानते हैं, तो उन्होंने कहा कि वे इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

देखें पृष्ठ ५ देवीलाल, चौटाला के बहिष्कार की घोषणा

लेकिन उन्होंने माना कि महम में दहशत थी। लोग डरे और नाराज थे। किससे नाराज थे ? इस सवाल को अजीत सिंह टाल गए।

जब उनकी जानकारी में यह बात लाई गई कि श्री चौटाला ने तो उन पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने की मांग की है तो उन्होंने तपाक से उत्तर दिया कि किसी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का दल में एक तरीका है।

जज से दुर्व्यवहार के मामले की सुनवाई शुक्र को

नई दिल्ली, १२ मार्च (प्रेट्र)। उच्चतम न्यायालय १६ मार्च को उस रिट याचिका की सुनवाई करेगा, जिसमें राजधानी के कुछ पुलिस अधिकारियों द्वारा शहर के एक जज के एस.एम. अग्रवाल के साथ दुर्व्यवहार किए जाने के मामले की न्यायिक जांच कराने का आग्रह किया है।

याचिकाकर्ता जे.पी. सक्सेना ने मुख्य न्यायाधीश सब्यसाची मुखर्जी से उक्त याचिका की सुनवाई जल्द से जल्द करने का आग्रह किया था। श्री जे.पी. सक्सेना लॉयर्स फोरम फार सिविल लिबर्टीज के अध्यक्ष भी हैं।

गृहमंत्री अबोहर गए

चंडीगढ़, १२ मार्च, (प्रेट्र)। केन्द्रीय गृहमंत्री मुफ्ती मुहम्मद सईद अबोहर की स्थिति का मौके पर जायजा लेने के लिए आज वहां पहुंचे। अबोहर में गत बुधवार को आतंकवादियों की गोली से ३० लोग मारे गए थे।

श्री सईद ने अबोहर में संवाददाताओं से चर्चा के दौरान बताया कि आतंकवादियों से पूरी ताकत से निपटा जाएगा। इसमें कोताही नहीं बरती जाएगी। गृहमंत्री ने बाद में सैनिक अस्पताल में आतंकवादी हिंसा से घायल हुए लोगों से बातचीत की। उन्होंने कई राजनीतिक नेताओं से भी विचार विमर्श किया।

आतंकवादी हत्याओं के बाद कल से अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया था। आज सुबह बुधवार १२-३० बजे से अबोहर में कर्फ्यू तक डेढ़ घंटे की ढील दी गई।

याकूब की यात्रा के बाद इरशाद ने रुख बदला

—विशेष प्रतिनिधि—

नई दिल्ली, १२ मार्च। बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ भारत के रिश्तों में खिंचाव के नए कारण बनते जा रहे हैं। भारत सरकार पड़ोसियों के साथ अच्छे दोस्ताना संबंधों की अपनी नीति पर कायम है और संबंधों को बिगड़ने से बचाने के हर संभव प्रयास कर रही है।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति जनरल इरशाद ने संपादकों की एक परिषद में बोलते हुए कश्मीर में मुसलमानों के दमन पर दो दिन पहले चिन्ता व्यक्त की। भारत ने इस पर आपत्ति प्रकट की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि ढाका स्थित भारतीय उच्चायुक्त के. जीनिवासन ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री अनिसुल इस्लाम महमूद और विदेश सचिव अबू पाकसाद ने मिलकर भारत की आपत्ति दर्ज की। भारतीय उच्चायुक्त को बताया गया कि बांग्लादेश पूरी जानकारी करने के बाद उसके बारे में बताएगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि बांग्लादेश कश्मीर के सवाल पर अपनी पिछली नीतिगत अवस्थिति से हट रहा है।

बांग्लादेश ने कुछ समय के लिए पाकिस्तान व भारत के बीच तटस्थता का रुख अपना रखा था और कहता था कि कश्मीर की समस्या को दोनों को आपसी बातचीत से निपटाना चाहिए, लेकिन अब बांग्लादेश पाकिस्तान की लाइन पर बोल रहा है।

समझा यह जा रहा है कि इरशाद का बयान अभी-अभी पाकिस्तान के विदेश मंत्री साहबजादा याकूब खां की यात्रा की छाया हो। लेकिन दूसरा आकलन यह है कि जब बांग्लादेश से भारत-पाकिस्तान के बीच तटस्थता जैसा रुख अपनाया था, तब भारत के विदेश मंत्री इंद्रकुमार गुजराल की ढाका यात्रा आसान थी। उसके पहले जनरल इरशाद ने प्रतिरक्षा पत्रिका जेन्स में भेंटवार्ता देते हुए एक डिवीजन सेना बढ़ाने के औचित्य का तर्क देते हुए बांग्लादेश को भारत से खतरा होने की बात कही थी।

विडम्बना यह है कि श्री गुजराल की ढाका यात्रा के बाद दोनों देशों ने संबंधों के सुधारने और करीब-करीब सभी द्विपक्षीय सवालों पर बेहतर स्थिति का दावा किया था। यही नहीं, आज संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण में बांग्लादेश से संबंध सुधारने का हवाला है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि उड़ीसा प्रदेश में श्रीलंका से आए शरणार्थियों की संख्या १७०० हो गई है। भारत की कोशिश यह रहेगी कि भारत आए हुए शरणार्थी जैसे ही श्रीलंका में स्थिति सामान्य हो और जनजीवन सुरक्षित हो जाए और वह वापस घर लौटने में असुरक्षा अनुभव न करें, वह लौट जाएं। भारत ने यह आशा व्यक्त की है कि श्रीलंका सरकार जनजीवन के सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगी ताकि शरणार्थी वापस लौट सकें।

भारत सरकार ने यह कहा है कि भारत की भूमि को किसी भी उग्रवादी ग्रुप के प्रशिक्षण या श्रीलंका विरोधी किसी गतिविधि के लिए इस्तेमाल नहीं हो, इसकी सावधानी भारत रखी है। उन्होंने कहा कि भारत भूमि पर कदम रखते ही शरणार्थियों की तलाशी होती है, ताकि कोई हथियार पनेरह न रखा हो।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर-पूर्वी प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमाला खांडू ने, उसकी जानकारी भारत को नहीं है। वह भारत में नहीं है।